RESEARCH & REFERENCE BRANCH
RAJASTHAN VIDHAN SABHA SECRETARIAT
JAIPUR

राजस्थान की माटी चंदन

▷ लोकसभा अध्यक्ष मीरा कुमार को बुधवार को विधानसभा में जयपुर शहर पुलिस की महिला पुलिसकर्मियों ने गार्ड ऑफ ऑनर दिया तो राजस्थानी परंपरा का वैभव जीवंत हो उठा। वे जैसे ही रेड कारपेट पर चलकर विधानसभा के भव्य मुख्य द्वार पर पहुंची तो पुलिसकर्मियों के बैंड दल ने बिगुल की धुन बजाकर उनका अभिवादन किया और महिला पुलिसकर्मियों ने कविता चौधरी के नेतृत्व में गार्ड ऑफ ऑनर दिया।

डेली न्यूज़ ब्यूरो

जयपुर ▷ 21 सितंबर

लोकसभा अध्यक्ष मीरा कुमार ने बुधवार को राजस्थान की माटी की सौंधी खुशबू, गौरवशाली इतिहास और लोगों की सादगी की सराहना करते हुए राजस्थान के साथ अपने पुराने रिश्ते भी बताए।

उन्होंने कहा कि यहां की मिट्टी मेरे लिए चंदन है। यहां के मेहनती, सीधे-सच्चे लोगों को मैं प्रणाम करती हूं। उन्होंने पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन के उद्घाटन अवसर पर अपने भाषण में कहा कि बचपन एवं किशोरावस्था के कई वर्ष मैंने यहां व्यतीत किए हैं। वनस्थली विद्यापीठ और जयपुर के एमजीडी स्कूल में पढ़ी हूं। यहां रहकर बहुत सी अच्छी बातें सीखी, जो समय-समय पर, विशेष रूप से कठिन समय में काम आती हैं। उन्होंने जहां वीर प्रसूता राजस्थान की वीरता, पराक्रम, त्याग, बलिदान, भक्ति की सराहना की वहीं लोक व शास्त्रीय संगीत की परंपरा, हस्तशिल्प और हुनर की बारीकियों की तारीफ से भी नहीं चूकीं। उन्होंने दुर्गों, महलों, वेधशालाओं, तीज-त्योहारों एवं उत्सवों का जिक्र करने के साथ ही राज्य के तीव्रतर विकास की चर्चा भी की।

प्रदर्शनी में इतिहास और विकास का संगम

'बहुत सुंदर, इसमें राजस्थान की जीवंत संस्कृति, उत्कृष्ट कला और आधुनिक समय के अनुसार विकास को खूबसूरती से दर्शाया गया है। इसमें पूरे राज्य की झलक मिल जाती है। विधानसभा के इतिहास और उत्तरोत्तर विकास पर आधारित यह प्रदर्शनी अत्यंत सुंदर एवं ज्ञान प्रदत्त है।'

लोकसभा अध्यक्ष मीराकुमार ने बुधवार को राजस्थान विधानसभा परिसर में 'भारत में संसदीय लोकतंत्र : ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य' विषय पर आयोजित प्रदर्शनी के अवलोकन के बाद विशिष्ट दर्शक पंजिका में यह भावना व्यक्त की। इससे पहले लोकसभा अध्यक्ष ने दीप प्रज्वलित कर प्रदर्शनी का उद्घाटन किया और इसमें शामिल एक-एक चित्र को ध्यानपूर्वक निहारा। इस दौरान उन्होंने पुराने एवं नए राजस्थान विधानसभा भवन, संसदीय प्रक्रियाओं, प्रदेश के इतिहास एवं संस्कृति तथा राज्य के विकास से संबंधित लोक कल्याणकारी योजनाओं के बारे में विधानसभाध्यक्ष दीपेंद्र सिंह शेखावत से जानकारी ली।

संसदीय संग्रहालय एवं अभिलेखागार प्रभाग, लोकसभा और राजस्थान विधानसभा, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग तथा विज्ञापन एवं दृश्य प्रचार निदेशालय के सहयोग से आयोजित इस प्रदर्शनी में भारत में लोकतांत्रिक संस्थाओं के विकास को प्रदर्शित किया गया है।

कम्प्यूटर, मल्टीमीडिया एवं एलसीडी के जरिए इस प्रदर्शनी में महात्मा गांधी, पं. जवाहरलाल नेहरू, डॉ. बी.आर.अंबेडकर और नेताजी सुभाषचंद्र बोस की मूल आवाज भी सुनी जा सकती है।

पुस्तकों का विमोचन

लोकसभा अध्यक्ष ने इस अवसर पर राष्ट्रमंडल संसदीय संघ के 100 वर्ष पूरे होने पर राजस्थान शाखा की ओर से प्रकाशित सेंटेनियल सोविनियर तथा राजस्थान विधानसभा सचिवालय की ओर से प्रकाशित 'राजस्थान विधानसभा के विविध आयाम' पुस्तक का विमोचन भी किया।

डेली न्यूज, दिनांक 22.0.9.2011

RESEARCH & REFERENCE BRANCH
RAJASTHAN VIDHAN SABHA SECRETARIAT
JAIPUR

सीएम की कुर्सी पर उपसभापति

राज्य विधानसभा का नजारा बुधवार को बदला हुआ था। सदन में मुख्यमंत्री अशोकगहलोत की सीट पर बुधवार को के रहमानखान बैठे हुए थे और पूरी गंभीरता के साथ भाषण सुन रहे थे। विधायक अपनी सीटों पर नहीं, बल्कि राज्यपाल वीर्घा में थे और विधानसभा के पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन को देख रहे थे। सदन में विधायक रघु शर्मा, प्रताप सिंह खाचरियावास व कुछ अन्य विधायक भी थे जो उत्सुकता से लोकसभा अध्यक्ष मीरा कुमार का भाषण पढ़ रहे थे।

कैमरे में किया कैद

पीठासीन अधिकारियों ने विधानसभा की भव्यता को सराहा। कुछ ने इन पलों को अविस्मरणीय बनाने के लिए अपने कैमरे में कैद कर लिया। पीठासीन अधिकारियों ने अपने परिवार के साथ फोटो खिंचवाए। कई पीठासीन अधिकारियों के साथ उनकी पत्नियां भी थीं।

कुछ को आ गई झपकी

सदन में लोकसभा अध्यक्ष और विधानसभा अध्यक्ष के संबोधन के दौरान कुछ पीठासीन अधिकारियों को झपकी आ गई तो कुछ देर से आने वाले पीठासीन अधिकारी अपनी सीट तलाश कर रहे थे। कुछ पीठासीन अधिकारी दूसरे की सीट पर बैठ गए थे।

राज्यपाल से मिले पीठासीन अधिकारी

विधान मण्डलों के पीठासीन अधिकारियों ने राजभवन में राज्यपाल शिवराज पाटील से भी मुलाकात की। इस दौरान लोकसभा अध्यक्ष मीरा कुमार भी वहां थी। राज्यपाल पाटील की ओर से राजभवन में पीठासीन अधिकारियोंको स्वल्पाहार दिया गया। इस मौके पर मुख्यमंत्री अशोक गहलोत,मंत्रिमण्डल के सदस्य, विधानसभा अध्यक्ष दीपेन्द्र सिंह शेखावत, विधायक,वरिष्ठ प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी मौजूद थे।

सुरक्षा को धता : विधानसभा में चल रहे पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन के लिए चाक-चौबंद सुरक्षा व्यवस्था की गई थी, इसके बावजूद कार्यक्रम के दौरान सारी व्यवस्था को धता बताते हुए एक कुत्ता मुख्य द्वार से अंदर जा पहुंचा।

दलबदल मामलों का जल्द हो निपटारा

जयपुर। देश के विधान मंडलों के पीठासीन अधिकारियों का मानना है कि जनप्रतिनिधियों के दलबदल मामलों का निपटारा जल्द किया जाना चाहिए। इसके लिए अलग से समिति हो और उसकी समय सीमा तय की जाए।

हरियाणा विधानसभा के अध्यक्ष कुलदीप शर्मा ने कहा कि दलबदल के मामलों को लंबित नहीं रखना चाहिए। उन्हें जल्दी निपटाया जाना चाहिए, लेकिन जल्दबाजी में भी नहीं। उन्होंने कहा कि न्यायपालिका को सदन के क्षेत्राधिकार में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए। हां, यदि कोई कानून ऐसा बन गया जो संविधान की भावना के विपरीत हो तो केवल सुप्रीम कोर्ट ही उसकी समीक्षा कर सकता है। शर्मा ने कहा कि आजकल सदन की बैठकें काफी कम होने लगी है। कार्यपालिका में बैठे लोग नहीं चाहते कि सदन की बैठकें लंबी चले क्योंकि इससे उन्हें परेशानी होती है। हरियाणा में तो इस बार 15 बैठकें ही हुई है। शर्मा ने कहा कि वे भी राजस्थान यूनिवर्सिटी में पढ़े है और उनके मित्र आज राजस्थान में विधायक व सांसद है। उन्होंने महेश जोशी, रघु शर्मा, कालीचरण सराफ, राजेंद्र राठौड़ का उदाहरण भी दिया।

जनता से बढ़ गई है दूरी

गोवा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर मोविन गोविनो ने कहा कि आजकल जनता और जनप्रतिनिधियों के बीच दूरियां बढ़ गई है। यही कारण है कि सिविल सोसायटी जैसी संस्था जनता के बीच आ रही है और भ्रम की स्थिति पैदा हो गई है। यह लोकतंत्र के लिए घातक है। इसमें सुधार नहीं किया गया तो परिणाम हमें ही भुगतने होंगे। गोविनो ने भी दलबदल के मामलों को जल्द निपटाने की वकालत की और इसकी समय सीमा भी तय करने को कहा।

डेली न्यूज, दिनांक 22.0.9.2011

RESEARCH & REFERENCE BRANCH
RAJASTHAN VIDHAN SABHA SECRETARIAT
JAIPUR

वर्ष 5 अंक 286 पृष्ठ 16 मूल्य ₹ 1.50

देशभर के विधानमंडलों के पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन में बोलीं लोकसभा अध्यक्ष मीरा कुमार

'आज गठबंधन सरकारें जरूरी'

डेली न्यूज ब्यूरो, जयपुर ▷ 21 सितंबर

लोकसभा अध्यक्ष मीरा कुमार का मानना है कि देश में पिछले कुछ दशक से जो राजनीतिक माहौल और जटिलताएं नजर आ रही है उसमे गठबंधन सरकार एक समाधान या जरूरत नजर आ रही है। हालांकि उन्होंने यह भी साफ किया कि ऐसी सरकारों की अपनी बाध्यताएं व चुनौतियां है। लोकसभा अध्यक्ष मीरा कुमार ने बुधवार को राज्य विधानसभा में देशभर के विधानमंडलों के पीठासीन अधिकारियों के 76वें सम्मेलन के उद्घाटन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में यह बात कही। उन्होंने कहा कि गठबंधन का उदय हमारे देश में कुछ देर से हुआ, किंतु अब यह अनुभव किया जाने लगा है कि अब सामाजिक और राजनीतिक समस्याएं बढ़ रही है, साथ ही इनके समाधान के लिए सर्वसम्मति बनाना जरूरी है और ऐसे में यह प्रणाली एक जरूरत बन रही है। उन्होंने कहा कि सम्मेलन में इसकी चुनौतियों पर भी बात की जानी चाहिए। (शेष पेज 9 पर)

आज गठबंधन सरकारें...

मीरा कुमार ने स्वीकार किया कि लोकतांत्रिक शासन के लक्ष्यों को पाने के लिए संसद का चलना जरूरी है। कभी-कभी स्थगन व अव्यवस्था के कारण विधायी कार्य प्रभावित होता है, इसे ठीक करने के लिए संसदीय प्रणाली की नियमित और सार्थक समीक्षा अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि विधायी संस्थाएं राष्ट्र का भविष्य है और इसके गौरव को बनाए रखने के लिए लगातार प्रयास किए जाने चाहिए। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि कानून बनाना कठिन होता है, सुशासन के लिए यह जरूरी है और इसमें विधायिका की भूमिका काफी महत्वपूर्ण है। **संसदीय प्रणाली निरंतर विकसित हुई:** राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष दीपेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि संसदीय पद्धति और प्रक्रिया के बदलते स्वरूप के कारण संसदीय प्रणाली ने स्वयं को गतिशील सिद्ध किया है और परिवर्तनशील समय की आवश्यकताओं के अनुरूप अपने को ढाला है। उन्होंने कहा कि देश की अनेक विशिष्ट प्रथाओं एवं परंपराओं तथा पद्धतियों का विकास भारतीय परिस्थितियों के संदर्भ में संसदीय प्रणाली निरंतर विकसित हुई है।

डेली न्यूज, दिनांक 22.0.9.2011

RESEARCH & REFERENCE BRANCH
RAJASTHAN VIDHAN SABHA SECRETARIAT
JAIPUR

फोटो | निरंजन चौहान

जलमहल में मीरा

विसं. जयपुर | लोकसभाध्यक्ष मीरा कुमार ने प्रदेश के विभिन्न भागों से आए पीठासीन अधिकारियों के साथ बुधवार शाम को जलमहल में नौका विहार किया। वे यहां की खूबसूरती से इस कदर अभिभूत हुईं कि मौका मिलने पर दुबारा आकर लंबा समय गुजारने की भी मंशा जाहिर की। वे जलमहल में किए जा रहे जीर्णोद्धार से काफी खुश नजर आईं और इसे जयपुर की शान बताया। मीरा कुमार शाम करीब पौने सात बजे विधानसभाध्यक्ष दीपेंद्र सिंह शेखावत के साथ जलमहल पहुंचीं। यहां नौकाविहार करने के बाद उन्होंने जलमहल की स्थापत्य कला की खूब तारीफ की। चमेली बाग, पेटेंट प्लेजर पैवेलियन, छतरियां, कृष्ण-राधा के रास लीला दृश्य, मानसून गार्डन के बारे में जानकारी लेकर वे खुश दिखीं। चमेली बाग में फ्लोरेसेंट मार्बल के नीचे से आ रही रोशनी से भी वे अभिभूत हुईं।

लोकसभा अध्यक्ष ने किया विधायी निकाय अध्यक्षों के सम्मेलन का उद्घाटन

गठबंधन की अपनी बाध्यताएं : मीरा कुमार

विशेष प्रतिनिधि | जयपुर

देश के मौजूदा हालात में विभिन्न राजनीतिक दलों के गठबंधन को लोकसभा अध्यक्ष मीरा कुमार ने आवश्यक माना है । उनका मानना है गठबंधन सरकारें इस देश के लिए नई नहीं हैं। हमारे यहां इसका उदय कुछ देर से हुआ है, लेकिन बढ़ती हुई सामाजिक और राजनीतिक परिस्थितियों में समस्याओं तथा सर्वसम्मति बनाने में आने वाली जटिलताओं का समाधान इसी से संभव है। हमें गठबंधन का एक दशक से भी ज्यादा लंबा अनुभव है। फिर भी गठबंधन सरकारों की अपनी बाध्यताएं और चुनौतियां हैं।

वे बुधवार को यहां राजस्थान विधानसभा में विधायी निकायों के पीठासीन अधिकारियों के 76वें सम्मेलन का उद्घाटन कर रही थीं। राजस्थान की आन-बान और शान की चर्चा करते हुए मीरा कुमार ने कहा कि जयपुर से उनका पुराना रिश्ता है। यहां रहकर बहुत सी अच्छी बातें सीखीं, जो समय-समय पर काम आती हैं।

इससे पहले राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष दीपेन्द्रसिंह शेखावत ने स्वागत भाषण में कहा कि 33 साल बाद राजस्थान को इस सम्मेलन की मेजबानी करने का अवसर मिला है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि इस सम्मेलन में होने वाले सार्थक विचार-विमर्श से न केवल जनतांत्रिक शासन व्यवस्था में स्वस्थ संसदीय कार्य संस्कृति पुष्ट होगी, बल्कि उसमें और निखार आएगा। इस सम्मेलन में देशभर की विधानसभा, विधान परिषदों के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और सचिव भाग ले रहे हैं।

शोकाभिव्यक्ति : सम्मेलन की शुरुआत शोकाभिव्यक्ति से हुई। इसमें दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्माओं को श्रद्धांजलि दी गई।

प्रदर्शनी का उद्घाटन

लोकसभा अध्यक्ष मीरा कुमार ने भारत में संसदीय लोकतंत्र और राजस्थान विधानसभा का स्वर्णिम अतीत और विकास प्रदर्शनी का उद्घाटन भी किया। उनके साथ विधानसभा अध्यक्ष दीपेंद्र सिंह शेखावत भी थे।

दैनिक भास्कर, दिनांक 22.0.9.2011

RESEARCH & REFERENCE BRANCH
RAJASTHAN VIDHAN SABHA SECRETARIAT
JAIPUR

पीठासीन अधिकारियों का चिंतन

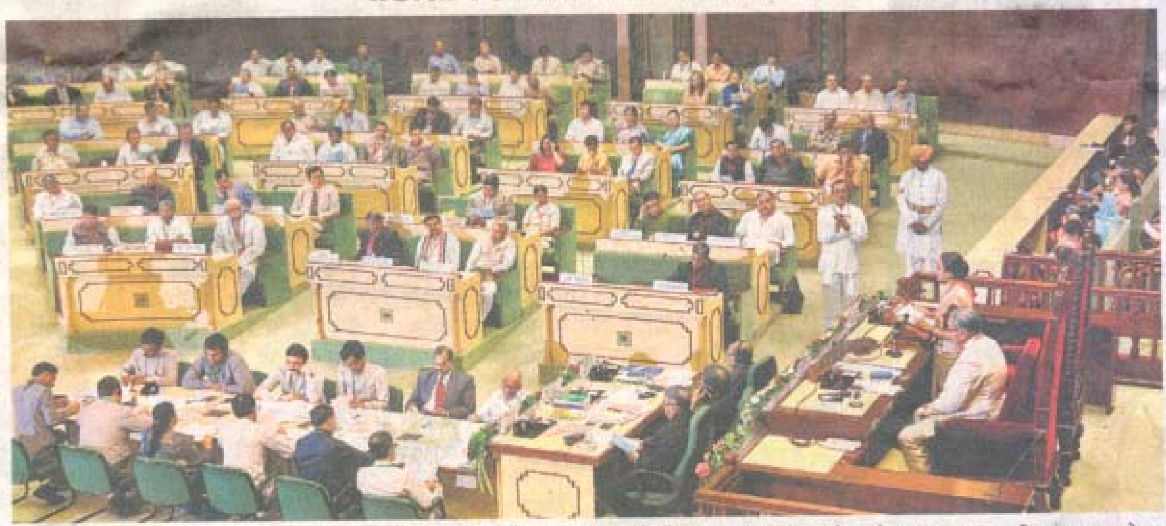

जयपुर. विधानसभा में बुधवार को लोकसभा अध्यक्ष मीरा कुमार ने विधायी निकायों के पीठासीन अधिकारियों के 76वें सम्मेलन का उद्घाटन किया। इस सम्मेलन में देशभर के 110 पीठासीन अधिकारी शामिल हुए। मीरा कुमार ने कहा कि गठबंधन सरकारें देश में नई बात नहीं है। सदन में पीठासीन अधिकारी विधायकों की जगह बैठे और सम्मेलन को देखने आए विधायक राज्यपाल दीर्घा में बैठे। (खबर पेज 7 पर)

भास्कर 22/9/11

दैनिक भास्कर, दिनांक 22.0.9.2011

Lok Sabha Speaker Meira Kumar addresses the inaugural session of the conference of presiding officers of legislative bodies in India, at State Assembly while Speaker Rajasthan Assembly Deependra Singh Shekhawat greets her, on Wednesday. SP SHARMA/ HT PHOTOS

'Scrutiny of house proceedings needed'

HT Correspondent
htraj@hindustantimes.com

H.T 22/9/11

JAIPUR: Lok Sabha Speaker Meira Kumar on Wednesday said that adjournments and disturbances interrupt legislative proceedings. Regular and meaningful scrutiny of house functioning is necessary for making it infallible, she said.

Opening a conference of presiding officers of legislative bodies in India, she said, "The future of a nation is shaped by its legislative bodies and I believe that we shall uphold the dignity of all legislative bodies and thereby, maintain the high traditions of parliamentary democracy."

The four-day conference of presiding officers opened here on Wednesday with a call for upholding the dignity of all legislative bodies and maintaining the high traditions of parliamentary democracy.

Deputy chairperson of the Rajya Sabha K Rahman Khan, Deputy Speaker of the Lok Sabha Karia Munda, speakers, deputy speakers, chairpersons, deputy chairpersons of the state legislative assemblies and/or legislative councils are taking part in the meet which was being held in the Pink City for the third time.

Kumar said that since its inception in 1921, the conference of presiding officers has evolved into a lively forum for debates over the decades.

"The aim of holding such conferences is to focus on the problems faced by these bodies and to facilitate in making the system more responsive and resilient to the changing needs of society," the Speaker said.

Kumar also gave an account of the topics to be taken up at different sessions of the conference till September 24.

Rajasthan Assembly Speaker Deependra Singh Shekhawat delivered the welcome speech.

Shekhawat highlighted the glorious traditions of the state in every field. "Rajasthan State Assembly, in addition to making democracy stronger, effectively brought into being rule of law, transparency in administration," he said.

"Today the need of the hour is that we tutor and mould the young generation to further enrich the democratic legacy so that they move with the times and fulfil the requirements of society, state and nation as also their prosperity and happiness," Shekhawat said.

The presiding officers on Wednesday discussed the subject "determination of maximum period for assent to bills passed by the legislature."

SEE PG 2

Conference of presiding officers opens

I revere this land says Lok Sabha speaker

HT Correspondent
htraj@hindustantimes.com

JAIPUR: Lok Sabha speaker Meira Kumar said, This land is most revered for me," disclosing her connect to Rajasthan.

"I have an old association with Jaipur. I have spent several years of my childhood and adolescence at Vanasthali Vidhyapeeth and MGD School.I learnt many things that helped me in trying times," she said. "I bow to the hardworking, simple and pure hearted people of this land," Kumar added.

She said, "Jaipur famous for its observatory, forts, palaces, gardens and multi-coloured Teej and Gangaur, is not only a mixture of tradition and modernity, but is also a fast growing industrial centre."

Parliamentary democracy expo organised in assembly

HT Correspondent
htraj@hindustantimes.com

JAIPUR: Lok Sabha speaker Meira Kumar inaugurated an exhibition titled 'Indian Parliamentary Democracy: A Historical Perspective' in the Rajasthan Vidhan Sabha premises on Wednesday.

A large numbers delegates attending the Conference of Presiding Officers of Legislative Bodies visited the exhibition and were very impressed with its massive display of parliamentary events, activities and affairs through various medium.

The exhibition has been organised by Parliamentary Museum and Archives Division of the Lok Sabha Secretariat and assembly secretariat in collaboration with the Ministry of Information and Broadcasting.

As part of the conference, the exhibition is spread over 12 sections and traces the growth and development of democratic traditions in India, beginning from the ancient times to the parliamentary institutions.

A delegate gazes at photographs in an exhibition on Wednesday. HT PHOTO

Deaths in India, Nepal condoled

The 76th Conference of Presiding Officers of legislative bodies in India, which opened here, expressed grief over the large number of casualties and losses to properties in last Sunday's earthquake in Sikkim and some other North Eastern states and neighbouring countries.

The meet also condoled former speakers/presiding officers of different legislative bodies who passed away after the last meet in Srinagar in June 2010.

Lok Sabha speaker Meira Kumar made the obituary references. A minute's silence was observed as a mark of respect to the departed souls. AGENCIES

H-T 22/9/11

Hindustan Times, Dated 22.09.2011

RESEARCH & REFERENCE BRANCH
RAJASTHAN VIDHAN SABHA SECRETARIAT
JAIPUR

Speaker Meira Kumar with Rajasthan Assembly Speaker Deependra Singh Shekhawat at the 76th Conference of Presiding officers of Legislative Bodies in India at Legislative Assembly in Jaipur on Wednesday. PTI

Indian Express, Dated 22.09.2011

RESEARCH & REFERENCE BRANCH
RAJASTHAN VIDHAN SABHA SECRETARIAT
JAIPUR

सुशासन के लिए विधायिका की भूमिका अहम : मीरा कुमार

संसदीय लोकतंत्र की मजबूती के लिए मंथन में जुटे पीठासीन अधिकारी

जनसत्ता ब्यूरो

जयपुर, 21 सितंबर। देश में संसदीय लोकतंत्र की मजबूती के लिए विधान मंडलों के अध्यक्षों का सम्मेलन बुधवार से जयपुर में शुरू हो गया। लोकसभा अध्यक्ष मीरा कुमार ने इसका उद्घाटन किया। उन्होंने सुशासन के लिए विधायिका की भूमिका को महत्त्वपूर्ण बताते हुए इस पर गहन विचार करने की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि गठबंधन सरकारों की चुनौतियों पर भी सम्मेलन में विस्तार से विचार किया जाना जरूरी है।

देश भर की विधान सभा और विधान परिषदों के पीठासीन अधिकारियों का जयपुर सम्मेलन कई मायनों में अहम है। लोकसभा अध्यक्ष मीरा कुमार ने इसका उद्घाटन करते हुए कहा कि देश के मौजूदा हालात में राजनीतिक दलों के गठबंधन अब जरूरी हो गए हैं। गठबंधन सरकारें इस देश के लिए नई नहीं है। देश में इसका उदय देर से हुआ पर बढ़ती हुई राजनीतिक और सामाजिक स्थितियों में ये जरूरी हैं। देश को गठबंधन का एक दशक से लंबा अनुभव है। इसके बावजूद गठबंधन सरकारों की अपनी बाध्यताएं और चुनौतियां है। ऐसे विषयों पर इस सम्मेलन में विस्तार से विचार होगा। इसके अलावा सम्मेलन में संसदीय लोकतंत्र की प्रणाली को मजबूती देने वाले विषयों पर भी पीठासीन अधिकारी विचार करेंगे।

मीरा कुमार ने कहा कि सुशासन के लिए कानून निर्माण और उसकी संवीक्षा में विधायिका की भूमिका बहुत महत्त्वपूर्ण है। इस पर गहन मंथन की जरूरत है। कानून बनाना इतना सरल नहीं है जितना की उसे समझा जाता है। कानून बनने से पहले एक विधेयक कई चरणों से गुजरता है। कानून निर्माण से पहले उस पर कई स्तरों पर लंबा विचार होता है। संसद के छह दशकों के समय में संसदीय प्रणाली में प्रथाएं और परंपराएं स्थापित हुई हैं। इससे ही हमारा लोकतंत्र मजबूत हुआ है। इसके बावजूद प्रणाली में कई समस्याएं आती हैं। उन्होंने माना कि कई बार स्थगन और अव्यवस्थाओं के कारण विधायी कार्यवाही प्रभावित होती है। इसलिए इसकी खामियों पर विचार कर कमियों को दूर करने के उपाय सुझाए जाने चाहिए।

इससे पहले स्वागत करते हुए राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष दीपेंद्र सिंह शेखावत ने सम्मेलन की रूपरेखा पेश करते हुए प्रदेश की आन-बान और शान का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि राजस्थान विधानसभा ने संसद और दुनिया के अन्य लोकतांत्रिक देशों से प्रेरणा हासिल कर कई शानदार संसदीय परंपराओं को अपनाया। राजस्थान विधानसभा ने विधायी कार्यों में भी कई उपलब्धियां हासिल की हैं। सम्मेलन में होने वाले सार्थक विचारों से संसदीय लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं को मजबूती मिलेगी। राजस्थान में भूमि सुधारों के कानून और सामाजिक और आर्थिक क्षेत्र में जागृति लाने वाले कई महत्त्वपूर्ण कानून बनाए हैं। भूमि सुधार कानूनों के मामले में तो राजस्थान देश भर में अग्रणी प्रदेश माना जाता है। शेखावत ने कहा कि राजस्थान विधानसभा ने प्रजातंत्र को मजबूत बनाने के साथ साथ कानून के शासन, प्रशासन में पारदर्शिता, वंचितों के मानवाधिकार और नारी की मजबूती को प्रभावी ढंग से उभारा है।

विधान मंडलों के अध्यक्ष और उपाध्यक्षों का यह सम्मेलन तीन दिन तक चलेगा। इसमें कई अहम विषयों पर विचार किया जाएगा। सम्मेलन से पहले मंगलवार को देश भर की विधानसभाओं के सचिवों का सम्मेलन हुआ। सम्मेलन के आखिरी दिन शुक्रवार को एक गोष्ठि होगी। उसमें खुलकर विचार विमर्श होगा।

जनसत्ता, दिनांक 22.0.9.2011

RESEARCH & REFERENCE BRANCH
RAJASTHAN VIDHAN SABHA SECRETARIAT
JAIPUR

विधायी संस्थाओं का गौरव बनाए रखना जरूरी: मीरा कुमार

सुशासन के लिए विधि निर्माण पर मंथन

पीठासीन अधिकारियों का सम्मेलन शुरू

कार्यालय संवाददाता

जयपुर, 21 सितम्बर। देश में सुशासन के लिए विधि निर्माण के लिए बुधवार से यहां मंथन शुरू हो गया। इस मंथन में देशभर की विधानसभाओं के साथ लोकसभा और राज्यसभा के पीठासीन अधिकारी भाग ले रहे हैं। दो दिन तक होने वाले चिंतन-मंथन में सामने वाली बातों का देशभर में अमल किया जाएगा। राजस्थान विधानसभा में शुरू हुई चर्चा में विधान की समीक्षा और जांच करने के साथ ही उसे अंतिम रूप दिया जाएगा।

इस दो दिवसीय पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन का शुभारंभ लोकसभा अध्यक्ष श्रीमती मीरा कुमार ने किया। इस अवसर पर उन्होंने विधायी संस्थाओं को राष्ट्र का भविष्य बताते हुए इनके गौरव और प्रतिष्ठा को बनाए रखने के निरंतर प्रयास की आवश्यकता पर बल दिया है। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रयासों से हम संसदीय लोकतंत्र की उच्च परम्पराओं को बनाए रखने में सफल हो सकते हैं। (शेष पेज 7 पर)

जयपुर में पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन को संबोधित करतीं लोकसभा अध्यक्ष श्रीमती मीरा कुमार। -न

समय के अनुसार संसदीय प्रणाली बदली: शेखावत

इस अवसर पर राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष दीपेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि संसदीय पद्धति और प्रक्रिया के बदलते स्वरूप के कारण संसदीय प्रणाली ने स्वयं को गतिशील सिद्ध किया है और परिवर्तनशील समय की आवश्यकताओं के अनुरूप अपने को ढाला है। उन्होंने कहा कि देश की अनेक विशिष्ट प्रथाएं एवं परम्पराएं तथा पद्धतियों का विकास भारतीय परिस्थितियों के सन्दर्भ में संसदीय प्रणाली निरंतर विकसित हुई है। राजस्थान विधानसभा के गरिमामय इतिहास का जिक्र करते हुए उन्होंने प्रथम विधानसभा अध्यक्ष रहे नरोत्तमलाल जोशी से लेकर श्रीमती सुमित्रा सिंह के सफल (शेष पेज 7 पर)

सुशासन के लिए...

[illegible]

समय के अनुसार...

[illegible]

दैनिक नवज्योति, दिनांक 22.09.2011

RESEARCH & REFERENCE BRANCH
RAJASTHAN VIDHAN SABHA SECRETARIAT
JAIPUR

लोकसभा अध्यक्ष श्रीमती मीरा कुमार बुधवार को जयपुर में जलमहल में नौका विहार करती हुईं। फोटो:नवज्योति

दल-बदल मामलों का समय पर निस्तारण हो: गुडिनो

कार्यालय संवाददाता

जयपुर, 21 सितम्बर। गोवा विधानसभा के उपाध्यक्ष मोविन गुडिनो का मानना है कि दल-बदलुओं के मामलों का समय पर निस्तारण हो। इसमें देरी करना विधायी कार्यों के लिए घातक है।

पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन में यहां भाग लेने आए गुडिनो ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि जरूरत पड़े तो दल बदलुओं के मामले की जांच के लिए एक स्वतंत्र एजेंसी का गठन भी किया जा सकता है। दल बदलकर दूसरे राजनीतिक दल में शामिल होने वाले जनप्रतिनिधियों के प्रकरण काफी चिंताजनक है। उन्होंने राजस्थान में बसपा के छह विधायका का कांग्रेस में शामिल होने का मामला विधानसभा अध्यक्ष और कोर्ट में लम्बित होने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे प्रकरणों के निस्तारण के लिए टाईम फ्रेम होना चाहिए। सब जानते है कि यह गलत है, ऐसे मामलों को स्वतंत्र एजेंसी को दिया जा सकता है। आज राजस्थान में है, कल फिर और कहीं ऐसे मामले होंगे। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि जब दल बदलुओं के मामले में विधायिका की ओर से देरी करने पर ही न्यायालय हस्तक्षेप करते है। तीन बार मंत्री रहे गुडिनो ने आम आदमी और जनप्रतिनिधियों के बीच बढ़ती दूरी पर भी चिन्ता जताई। उन्होंने कहा कि विधानसभा और लोकसभा का मान सम्मान कम होता जा रहा है। उन्होंने कहा कि आज सिविल सोसायटी ग्रुप बीच में आ रहे है। सांसद और विधायको को लोगो के विचार के अनुसार चलना और उनके करीब आना लोकतंत्र के लिए जरूरी है। उन्होंने पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन के आयोजन को जरूरी और महत्वपूर्ण बताया।

विधायी कार्यों में अदालतों का हस्तक्षेप घातक: शर्मा

हरियाणा विधानसभा के अध्यक्ष कुलदीप शर्मा का मानना है कि विधायी कार्यों में अदालतों का हस्तक्षेप घातक है। न्यायालयों को विधायी कार्य में हस्तक्षेप नही करना चाहिए। संवैधानिक संस्था एवं न्यायालय का अलग क्षेत्राधिकार है। एक दूसरे में कार्यक्षेत्र में दखल से विवाद पैदा होता है। उनका मानना है कि सदन कानून बनाता है और उनकी व्याख्या करना न्यायालय का काम है। शर्मा ने यह भी कहा कि यहां पर वेस्टर्न एक्ट लागू है। इग्लैण्ड में एक बार अध्यक्ष रहने के दुबारा निर्विरोध चुनाव लड़कर आता है। चुनाव में उसके सामने अन्य कोई प्रत्याशी नही उतारा जाता। यहां पर भी विधानसभा अध्यक्ष के लिए इग्लैण्ड का सिस्टम लागू होनो चाहिए।

दैनिक नवज्योति, दिनांक 22.0.9.2011

RESEARCH & REFERENCE BRANCH
RAJASTHAN VIDHAN SABHA SECRETARIAT
JAIPUR

राजस्थान की मिट्टी मेरे लिए चंदन

कार्यालय संवाददाता

जयपुर, 21 सितम्बर। राजस्थान की सौंधी माटी की खुशबू, यहां के गौरवशाली इतिहास और लोगों की सादगी की लोकसभा अध्यक्ष श्रीमती मीरा कुमार ने जमकर तारीफ की। पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन के उद्घाटन अवसर पर अपने भाषण में जहां उन्होंने वीर प्रसुता राजस्थान की वीरता, पराक्रम, त्याग, बलिदान, भक्ति की सराहना की वहां लोक संगीत, शास्त्रीय संगीत की परम्परा, हस्तशिल्प और हुनर की बारीकियों की तारीफ से भी वो नहीं चूकी। उन्होंने दुर्गों, महलों, वेधशालाओं, तीज-त्योहारों एवं उत्सवों का जिक्र करने के साथ ही राज्य के तीव्रतर विकास की चर्चा भी की। अपने राजस्थान से पुराने रिश्तों को अभिव्यक्ति देते हुए उन्होंने कहा कि बचपन एवं किशोरावस्था के कई वर्ष मैंने यहां व्यतीत किए हैं। वनस्थली विद्यापीठ और जयपुर के एम.जी.डी. स्कूल में पढ़ी हूं। उन्होंने कहा कि यहां रह कर बहुत सी अच्छी बातें सीखीं, जो समय-समय पर, विशेष रूप से कठिन समय में काम आती हैं। उन्होंने कहा कि यहां की मिट्टी मेरे लिए चंदन है। यहां के मेहनती, सीधे सच्चे लोगों को मैं प्रणाम करती हूं।

दैनिक नवज्योति,
दिनांक 22.0.9.2011

विस.पीठासीन अधिकारियों का सम्मेलन जयपुर में

जयपुर, जासकें: भारत में विधायी निकायों के सचिवों का 54वां सम्मेलन मंगलवार को राजस्थान विधानसभा परिसर में आयोजित किया गया। सचिवों के सम्मेलन का उद्घाटन लोकसभा के महासचिव टी.के. विश्वनाथन ने किया। यह सम्मेलन पीठासीन अधिकारियों के बुधवार को शुरू हो रहे सम्मेलन से पूर्व आयोजित किया गया। संसदीय परिपाटियों एवं प्रक्रियाओं के विभिन्न क्षेत्रों पर विचार विमर्श के लिए आयोजित पीठासीन अधिकारियों के 76वें सम्मेलन का उद्घाटन बुधवार को लोकसभा अध्यक्ष मीरा कुमार करेंगी। लोकसभा में हुए महत्वपूर्ण विकास की जानकारी देते हुए लोकसभा के महासचिव विश्वनाथन ने बताया कि सदन और उसकी समितियों के कार्यों में सुधार के गंभीर प्रयास किए गए है। उन्होंने बताया कि लोकसभा सचिवालय को ''कागज रहित'' बनाने की दिशा में ठोस कदम उठाए गए है। उन्होंने बताया कि देश में संसदीय संस्थाओं के विकास में उल्लेखनीय सेवाएं देने वाले सांसदों के लिए ''उत्कृष्ट सांसद'' पुरस्कार शुरू किया गया है। राज्य सभा में हुए महत्वपूर्ण विकास की चर्चा करते हुए डॉ. अग्निहोत्री ने बताया कि सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (आइसीटी) के प्रचार के फलस्वरूप आज मतदाताओं और उनके प्रतिनिधियों के बीच तत्काल संपर्क कर पाना संभव हो सका है।

दैनिक जागरण,
दिनांक 22.0.9.2011

मीरा कुमार ने किया प्रदर्शनी का शुभारंभ

प्रदर्शनी में शामिल एक-एक चित्र को ध्यानपूर्वक निहारा

कार्यालय संवाददाता

जयपुर, 21 सितम्बर। राजस्थान विधानसभा के परिसर में आयोजित विधानसभा के इतिहास और उत्तरोत्तर विकास पर प्रदर्शनी अत्यन्त सुंदर एवं ज्ञान प्रदत है। राजस्थान की जीवंत संस्कृति, उत्कृष्ट कला और आधुनिक समय के अनुसार विकास से संबंधित प्रदर्शनी से पूरे प्रदेश की झलक मिल जाती है। लोकसभा अध्यक्ष श्रीमती मीरा कुमार ने बुधवार को राजस्थान विधानसभा में आयोजित पीठासीन अधिकारियों के 76वें सम्मेलन के अवसर पर 'भारत में संसदीय लोकतंत्र : ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य' विषय पर आयोजित प्रदर्शनी के अवलोकन के बाद विशिष्ट दर्शक पंजिका में यह भावना व्यक्त की।

इस अवसर पर राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष दीपेंद्र सिंह शेखावत, राज्यसभा के उप सभापति के. रहमान खान, विभिन्न विधानसभाओं के अध्यक्ष, सूचना एवं जनसम्पर्क राज्यमंत्री अशोक बैरवा, विधायक रघु शर्मा, प्रताप सिंह खाचरियावास, श्रीमती ममता भूपेश, राजस्थान विधानसभा के सचिव के.एम. गुप्ता, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के आयुक्त एवं शासन सचिव कुंजीलाल मीणा भी उपस्थित थे। इससे पूर्व लोकसभा अध्यक्ष ने दीप प्रज्वलित कर प्रदर्शनी का उद्घाटन किया और प्रदर्शनी में शामिल एक-एक चित्र को ध्यानपूर्वक निहारा। प्रदर्शनी के अवलोकन के दौरान श्रीमती मीरा कुमार ने उत्सुकता के साथ पुराने एवं नए राजस्थान विधानसभा भवन, संसदीय प्रक्रियाओं तथा प्रदेश के इतिहास एवं संस्कृति तथा राज्य के विकास से संबंधित लोक कल्याणकारी योजनाओं के बारे में विधानसभा अध्यक्ष शेखावत से जानकारी ली।

पुस्तकों का विमोचन किया

लोकसभा अध्यक्ष ने इस अवसर पर राष्ट्रमण्डल संसदीय संघ की राजस्थान शाखा की ओर से राष्ट्रमण्डल संसदीय संघ के सौ वर्ष पूरे होने पर प्रकाशित 'सेंटेनियल सोविनियर' तथा राजस्थान विधानसभा सचिवालय की ओर से प्रकाशित 'राजस्थान विधानसभा के विविध आयाम' पुस्तक का विमोचन भी किया।

महिला पुलिस से अभिभूत

जयपुर, 21 सितम्बर। भारत के विधायी निकायों के पीठासीन अधिकारियों के 76वें सम्मेलन के उद्घाटन के लिए लोकसभा अध्यक्ष श्रीमती मीरा कुमार जयपुर में बुधवार को विधानसभा के परिसर में पहुंची। श्रीमती कुमार को जयपुर शहर पुलिस की महिला पुलिसकर्मियों की सलामी गार्ड्स ने बिगुल की धुन पर गार्ड ऑफ ऑनर दिया तो राजस्थानी परम्परा का वैभव जीवंत हो उठा। लोकसभा अध्यक्ष श्रीमती मीरा कुमार जैसे ही रेड कारपेट पर चलकर विधानसभा के भव्य मुख्यद्वार पर पहुंची तो जनपथ के सामने कंगूरेदार बालकनी में खड़े पुलिसकर्मियों के बैण्ड दल ने बिगुल की समधुर धुन बजाकर शानदार तरीके से श्रीमती कुमार का अभिवादन किया और महिला पुलिसकर्मियों की दस सदस्यीय टुकड़ी ने उप निरीक्षक सुश्री कविता चौधरी के नेतृत्व में श्रीमती कुमार को गार्ड ऑफ ऑनर दिया।

दैनिक नवज्योति, दिनांक 22.0.9.2011

RESEARCH & REFERENCE BRANCH
RAJASTHAN VIDHAN SABHA SECRETARIAT
JAIPUR

पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन का उद्घाटन समारोह

संसदीय प्रणाली में खामियां : मीरा कुमार

लोकसभाध्यक्ष ने नियमित समीक्षा पर दिया जोर

निरंतर विकसित हुई है संसदीय प्रणाली : विधानसभा अध्यक्ष

जयपुर, (कासं): लोकसभा अध्यक्ष मीरा कुमार ने कहा कि लोकतांत्रिक शासन के लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए हमारी संसद की कुशल एवं प्रभावी कार्यप्रणाली जरूरी है। देश में लोकतंत्र के छह दशकों से अधिक के इतिहास में संसदीय प्रणाली में जो सुप्रथाएं और परम्पराएं स्थापित हुई हैं उनसे लोकतंत्र मजबूत हुआ है, फिर भी इस प्रणाली में कुछ समस्याएं आ रही हैं। इसलिए आवश्यक है कि संसदीय प्रणाली को और अधिक त्रुटि रहित बनाने के लिए कार्यप्रणाली की नियमित और सार्थक समीक्षा की जाए।

मीरा कुमार बुधवार को यहां विधानसभा में भारत के विधायी निकायों के पीठासीन अधिकारियों के 76वें सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में बोल रही थीं। इससे पहले लोकसभा अध्यक्ष ने सम्मेलन का विधिवत् उद्घाटन किया। लोकसभा अध्यक्ष ने विधायी संस्थाओं को राष्ट्र का भविष्य बताते हुए इसके गौरव और प्रतिष्ठा को बनाए रखने के निरंतर प्रयास की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रयासों से हम संसदीय लोकतंत्र की उच्च परम्पराओं को बनाए रखने में सफल हो सकते हैं।

सम्मेलन में चर्चा के विषयों का उल्लेख करते हुए मीरा कुमार ने कहा कि सम्मेलन में चर्चा के विषय हमारी संसदीय लोकतांत्रिक प्रणाली के लिए महत्वपूर्ण हैं और इन पर विस्तार पूर्वक विचार किए जाने की आवश्यकता है। अमेरिका के राष्ट्रपति बराक ओबामा के संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक में दिए गए सम्बोधन का जिक्र करते हुए लोकसभा अध्यक्ष ने बताया कि वे भी भारतीय प्रजातंत्र के सुदृढ़ आधार और जीवंतता के प्रशंसक हैं।

विधानसभा के अध्यक्ष दीपेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि संसदीय पद्धति और प्रक्रिया के बदलते स्वरूप के कारण संसदीय प्रणाली ने स्वयं को गतिशील सिद्ध किया है और परिवर्तनशील समय की आवश्यकताओं के अनुरूप अपने को ढाला है। देश की अनेक विशिष्ट प्रथाओं एवं परम्पराओं तथा पद्धतियों का विकास भारतीय परिस्थितियों के सन्दर्भ में संसदीय प्रणाली निरंतर विकसित हुई है।

राजस्थान विधानसभा के गरिमामय इतिहास का जिक्र करते हुए उन्होंने प्रथम विधानसभा अध्यक्ष रहे नरोत्तम लाल जोशी से लेकर श्रीमती सुमित्रा सिंह के सफल कार्यकाल का उल्लेख किया ▶ शेष पृष्ठ चार पर

यहां की मिट्टी मेरे लिए चंदन

अपने भाषण में लोकसभा अध्यक्ष ने राजस्थान की सौंधी माटी की खुशबू, यहां के गौरवशाली इतिहास और लोगों की सादगी की खूब तारीफ की। उद्घाटन भाषण में जहां उन्होंने वीर प्रसूता राजस्थान की वीरता, पराक्रम, त्याग, बलिदान, भक्ति की सराहना की, वहीं यहां के लोक संगीत, शास्त्रीय संगीत की परम्परा, हस्त शिल्प और हुनर की बारीकियों की तारीफ से भी वो नहीं चूकीं। अपने राजस्थान से पुराने रिश्तों को अभिव्यक्त देते हुए उन्होंने कहा कि बचपन एवं किशोरावस्था के कई वर्ष मैंने यहां व्यतीत किए हैं। वनस्थली विद्यापीठ और जयपुर के एम.जी.डी. स्कूल में पढ़ी हूं। उन्होंने कहा कि यहां रहकर बहुत सी अच्छी बातें सीखीं, जो समय-समय पर, विशेष रूप से कठिन समय में काम आती हैं। उन्होंने कहा कि 'यहां की मिट्टी मेरे लिए चंदन है। यहां के मेहनती, सीधे-सच्चे लोगों को मैं प्रणाम करती हूं।'

नाव में सवार होकर जलमहल देखने जातीं मीरा कुमार।

मीरा कुमार को भाया जलमहल

जयपुर,(कासं): पीठासीन अधिकारीयों के सम्मेलन के सिलसिले में जयपुर आईं लोकसभा अध्यक्ष मीरा कुमार ने बुधवार शाम जलमहल का भ्रमण किया। उनके साथ राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष दीपेन्द्र सिंह शेखावत भी थे। सायं साढ़े छह बजे जलमहल पहुंची स्पीकर के स्वागत के लिए जलतरंग प्रोजेक्ट के निदेशक विनय कोठारी समेत कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। परम्परागत वेशभूषा में लोककलाकार वाद्य यंत्र बजा रहे थे। मीरा कुमार और अन्य अतिथियों के लिए नावों से जलमहल ले जाया गया। ▶ शेष पृष्ठ चार पर

पंजाब केसरी,
दिनांक 22.0.9.2011

RESEARCH & REFERENCE BRANCH
RAJASTHAN VIDHAN SABHA SECRETARIAT
JAIPUR

लोकसभा अध्यक्ष मीरा कुमार ने बुधवार को राजस्थान विधानसभा में पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन का औपचारिक उद्घाटन किया। (छाया: पंजाब केसरी)

पृष्ठ एक के शेष

संसदीय प्रणाली में...

और बताया कि इन लोगों ने अपने निष्पक्ष कर्तव्य निर्वहन से सदन की गरिमा को बढ़ाया। विधानसभा अध्यक्ष ने विधानसभा में पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से उठाए गए कदमों की जानकारी देते हुए बताया कि प्रश्नों को ऑनलाइन करने से प्रतिवर्ष एक करोड़ कागज तथा उतने ही प्राकृतिक संसाधनों की बचत होगी। उन्होंने विधान मण्डलों से 'ईको फ्रेण्डली' प्रक्रिया अपनाने की अपील की।

मीरा कुमार...

मीराकुमार ने सबसे ऊपर बने चमेली महल का अवलोकन किया। लोकसभा अध्यक्ष यहां 15 मिनट रुकीं।

पसंद आई मार्बल की कारीगरी: मीरा कुमार चमेली महल पहुंची तो मार्बल की फर्श को देखकर अभिभूत हो गईं। फर्श के नीचे से आ रही सुनहरी रोशनी के बारे में भी उन्होंने उत्सुकतावश पूछा। उन्होंने भित्ती चित्रों को भी ध्यान से देखा और जयपुर की संस्कृति के बारे में जानकारी ली। पत्रकारों के पूछने पर स्पीकर ने जलमहल अवलोकन को अविस्मरणीय बताया।

अन्य अतिथियों ने भी सराहा: कुछ पीठासीन अधिकारियों ने मानसागर की पाल पर थोड़ा समय बिताया तथा जलमहल के इतिहास और इसके जीर्णोद्धार के बारे में विस्तार से जानकारी ली।

पंजाब केसरी, दिनांक 22.0.9.2011

RESEARCH & REFERENCE BRANCH
RAJASTHAN VIDHAN SABHA SECRETARIAT
JAIPUR

'गठबंधन सरकारें ही उपयुक्त'

जयपुर . लोकसभा अध्यक्ष मीरा कुमार का मानना है कि मौजूदा राजनीतिक व सामाजिक हालात में सर्वसम्मति बनाने के लिए गठबंधन प्रणाली ही उपयुक्त समाधान है। मीरा कुमार ने विधानसभा में बुधवार को विधानसभाओं व विधानपरिषदों के पीठासीन अधिकारियों के 56वें सम्मेलन का उद्घाटन किया। जयपुर में 33 साल बाद आयोजन हुआ है। (पेज 9 भी देखें)

यहां की मिट्टी चंदन

जयपुर . राजस्थान की धरती पर पढ़ी लोकसभा अध्यक्ष मीरा कुमार ने यहां की सौंधी माटी की खुशबू, यहां के गौरवशाली इतिहास और लोगों की सादगी की जमकर तारीफ की। मीरा कुमार ने पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए जहां वीर प्रसूता राजस्थान की वीरता, पराक्रम, त्याग, बलिदान, भक्ति की सराहना की वहीं लोक संगीत, शास्त्रीय संगीत की परम्परा, हस्तशिल्प और हुनर की बारीकियों की तारीफ से भी वो नहीं चूकीं। राजस्थान से पुराने रिश्तों को याद करते हुए वे बोली, बचपन एवं किशोरावस्था के कई वर्ष मैंने यहां गुजारे हैं। जयपुर के एमजीडी स्कूल व वनस्थली विद्यापीठ और मैं पढ़ी हूं। उन्होंने कहा, 'यहां की मिट्टी मेरे लिए चंदन है।

प्रदर्शनी

जयपुर . पीठासीन अधिकारियों के सम्मेलन के मौके पर 'भारत में संसदीय लोकतंत्र : ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य' विषय पर प्रदर्शनी लगाई गई। लोकसभा अध्यक्ष मीरा कुमार ने इसका उद्घाटन किया।

राजनीति में आएं अच्छे लोग-रोहाणी

जयपुर

cityreporter.jaipur@patrika.com

मध्यप्रदेश विधानसभा के अध्यक्ष ईश्वर दास रोहाणी का मानना है कि अच्छे लोगों को राजनीति में आना चाहिए। जब अच्छे लोग चुनाव लड़ने का मानस बनाएंगे, तो राजनीतिक पार्टियां खुद उनके समर्थन में खड़ी नजर आएंगी। इसके बाद सिर्फ थोड़े माहौल की जरूरत होगी, जो जनता पूरी कर देगी।

पीठासीन अधिकारियों के चार दिवसीय सम्मेलन में भाग लेने यहां आए रोहाणी बुधवार को पत्रिका के मुख्यालय केसरगढ़ पहुंचे, जहां उन्होंने सदन और विधायकों से जुड़े मुद्दों पर खुलकर चर्चा की।

रोहाणी ने भ्रष्टाचार को देश के लिए सबसे अहम मुद्दा बताया और कहा कि सिर्फ चुनावी खर्च को सीमित कर या उसे सरकार द्वारा वहन करने से भ्रष्टाचार रोका नहीं जा सकता है। इसके लिए जरूरी है कि राष्ट्रीय चरित्र निर्माण हो। उसके बिना ये समस्या समाप्त नहीं हो सकती। अन्ना हजारे की तरह आम आदमी आगे आए और राष्ट्र निर्माण में भागीदारी निभाए। जब बुद्धिजीवी लोग चुनाव लड़कर सदन में पहुंचेंगे, तो स्वतः वहां के माहौल में परिवर्तन आएगा। मीडिया जन जागरण कर राष्ट्रीय चरित्र निर्माण में अहम जिम्मेदारी निभा सकता है।

उन्होंने कहा कि विधायिका के कामकाज की रिपोर्टिंग में आज मीडिया भी चटपटी खबरों को ज्यादा महत्व देता है, जबकि सदन के गंभीर मुद्दे गौण हो जाते हैं। इससे संजीदा विधायकों में निराशा आती है। हालांकि उन्होंने पत्रिका की इस परिपाटी से अलग बताया और कहां कि मुझे पता है कि पत्रिका में ऐसा नहीं होता। न्यायपालिका, कार्यपालिका और विधायिका में टकराव की स्थिति पर उन्होंने कहा कि सभी की अपनी-अपनी मर्यादाएं है। अगर मर्यादा में रहकर कार्य किया जाए, तो कोई टकराव नहीं होगा। पत्रिका मुख्यालय पहुंचने पर संस्थान के नेशनल हैड (वितरण) बी.आर.सिंह ने रोहाणी का पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया। डिप्टी एडिटर सुकुमार वर्मा ने रोहाणी को पत्रिका की विकास यात्रा, मूल्यों व सामाजिक सरोकारों के बारे में जानकारी दी।

एक घटे में 25 सवाल

रोहाणी ने कहा कि सदन में एक घंटे के दौरान 25 सवालों को न सिर्फ सुनता हूं, बल्कि मंत्रियों से उनका जवाब भी लिया जाता है। इसके लिए हम खुद सुबह पूरे प्रश्नों का अध्ययन करते हैं और उनमें छिपी विधायकों की मंशा जानने की कोशिश करते हैं।

(मेट्रो संवाददाता)

सरकारें नहीं चाहती सदन चले

जनप्रतिनिधियों के व्यवहार से सदन के गिरते स्तर के सवाल पर रोहाणी ने कहा कि आज स्थिति काफी अलग हो गई है। पहले जनप्रतिनिधि सदन में चर्चा करना चाहते थे, लेकिन अब तो खुद सरकारें चाहती है कि सदन कम से कम चले, ताकि उन्हे विपक्ष के सवालों का सामना न करना पड़े। जन प्रतिनिधि भी चर्चित होने के लिए सदन में अवांछित व्यवहार करते है जिसके प्रति मीडिया को सजग रहना चाहिए।

राजस्थान पत्रिका, दिनांक 22.0.9.2011

गठबंधन सरकारें ही उपयुक्त-मीरा कुमार

पीठासीन अधिकारियों का सम्मेलन शुरू

जयपुर

cityreporter.jaipur@patrika.com

लोकसभा अध्यक्ष मीरा कुमार का मानना है कि मौजूदा राजनीतिक व सामाजिक हालात में गठबंधन प्रणाली ही उपयुक्त है।

मीरा कुमार यहां विधानसभा में बुधवार को पीठासीन अधिकारियों के 56वें सम्मेलन का उद्घाटन कर रही थीं। इसमें राज्यसभा के उप सभापति के.रहमान खान, विधानसभाओं, विधान परिषदों के अध्यक्ष, विधानसभाओं के उपाध्यक्ष, परिषदों के सभापति के साथ सचिव और लोकसभा-राज्यसभा के महासचिव शिरकत रह रहे हैं। जयपुर में 33 साल बाद इसका आयोजन हुआ है। सम्मेलन में गठबंधन राजनीति की छाया साफ नजर आई क्योंकि एक सत्र में गठबंधन सरकारों की बाध्यता और चुनौतियों पर विस्तार से चर्चा होगी। लोकसभा सचिवालय सम्मेलन की सिफारिशों को बाद में सरकार को पेश करेगा। अपने सम्बोधन में मीरा ने कहा कि आज कुछ ही देश गठबंधन की राजनीति से अछूते हैं। भारत उनसे अलग नहीं है। साथ ही स्वीकारा कि गठबंधन सरकारों की अपनी बाध्यता और चुनौतियां हैं।

...तो भी सदन में चर्चा

लोकसभा अध्यक्ष ने संकेत दिया कि कोई मसला अदालत में लम्बित है तो भी सदन में उस पर बहस कराई जा सकती है। बशर्ते बहस में ऐसी बात नहीं हो, जिससे मुकदमे का नतीजा प्रभावित होता हो।

राष्ट्रपति कब तक रोकें विधेयक?- संविधान में संसद के दोनों सदनों से पारित विधेयक पर राष्ट्रपति की मंजूरी का प्रावधान है, लेकिन मंजूरी कितने समय में मिल जाए इसकी मियाद तय का प्रावधान नहीं है। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि सम्मेलन में समय सीमा तय करने के मुद्दे पर विचार किया जाएगा।

(कार्यालय संवाददाता)

दलबदल मामले में अलग-अलग मत

जयपुर. दलबदल से जुड़े प्रकरण किसी राज्य में विधानसभा अध्यक्ष के पास विचाराधीन हैं तो कई राज्यों में अदालत में। कहीं दोनों जगह याचिकाएं लगी हैं जिन पर सुनवाई चल रही है। दलबदल प्रकरणों में क्या हो, इस बारे में पीठासीन अधिकारियों की अलग-अलग राय है।

जयपुर पीठासीन अधिकारी सम्मेलन में आए हरियाणा विधानसभा के अध्यक्ष कुलदीप शर्मा ने बुधवार को मीडिया से बातचीत में कहा कि दलबदल प्रकरण में विधानसभा अध्यक्ष का फैसला सर्वोपरि होना चाहिए। अध्यक्ष के फैसले को चुनौती नहीं दी जा सकती। उनका मानना है कि जो काम विधानसभा का है, उन मामलों में अदालत को भी दखल नहीं देना चाहिए। यदि विधानसभा कोई अवैधानिक निर्णय करती हो तभी न्यायपालिका को अपनी सीमा लांघनी चाहिए।

स्वतंत्र निकाय हो

गोवा विधानसभा के उपाध्यक्ष मोविन गुडिनो ने कहा कि हर संस्था की दीवार होती है, किसी को सीमाएं नहीं लांघनी चाहिए ताकि कोई अन्य संस्था दखल ही नहीं दे। हम गलत काम करेंगे तो दूसरी संस्था तो हस्तक्षेप करेगी ही। उनका मानना है कि विधानसभा अध्यक्ष स्तर पर दलबदल याचिकाओं के निपटारे की समय सीमा निर्धारित होनी चाहिए। *(का.सं.)*

पूर्व अध्यक्षों ने बढ़ाई सदन की गरिमा-शेखावत

जयपुर. विधानसभा अध्यक्ष दीपेन्द्र सिंह शेखावत ने राज्य विधानसभा की विशिष्ट गरिमा बताते हुए कहा कि इस विधानसभा ने बहस का उच्च स्तर कायम करने के साथ ही शालीनता और सौहार्द का ऐसा उदाहरण पेश किया है जो अन्य विधानसभाओं के लिए अनुकरणीय है। शेखावत ने सम्मेलन में मेहमानों का स्वागत किया। उन्होंने पूर्व अध्यक्षों का उल्लेख करते हुए कहा कि इन सभी ने निष्पक्षता से काम किया। उन्होंने स्व. हरिदेव जोशी, मोहनलाल सुखाड़िया एवं भैरोंसिंह शेखावत के योगदान को भी याद किया। *(का.सं.)*

राजस्थान पत्रिका, दिनांक 22.0.9.2011

'स्थगन' और 'व्यवस्था' के कारण विधायी कार्यवाही प्रभावित होने पर चिंता जताई

संसदीय प्रणाली को त्रुटि रहित बनाने के लिये सार्थक समीक्षा जरूरी: मीरा कुमार

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। लोकसभा अध्यक्ष मीरा कुमार ने स्थगन और अव्यवस्था के कारण विधायी कार्यवाही प्रभावित होने पर चिंता व्यक्त करते हुये संसदीय प्रणाली को और अधिक त्रुटि रहित बनाने के लिये नियमित और सार्थक समीक्षा करने पर जोर दिया है।

विधायी निकायों के पीठासीन अधिकारियों के 76 वें सम्मेलन को संबोधित करते हुये श्रीमती मीरा कुमार ने आज यहां कहा कि चुनावों एवं परंपराओं से लोकतंत्र मजबूत हुआ है लेकिन संसदीय प्रणाली में कुछ समस्याएं आती है। कभी कभी स्थगन और अव्यवस्था के कारण विधायी कार्यवाही प्रभावित होती है। अतः इसे अधिक त्रुटि रहित बनाने के लिये इसकी कार्य प्रणाली की नियमित और सार्थक समीक्षा अनिवार्य है।

[illegible]

- प्रश्न-उत्तरों का आदान प्रदान ऑन लाइन होने से प्रतिवर्ष एक करोड़ पेपर शीट की बचत हुई है: शेखावत
- विधायी कार्यों में न्यायपालिका का हस्तक्षेप बढ़ा: शर्मा

[illegible]

लोकसभा अध्यक्ष मीरा कुमार ने विधानसभा में आयोजित प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

राष्ट्रदूत, दिनांक 22.0.9.2011

RESEARCH & REFERENCE BRANCH
RAJASTHAN VIDHAN SABHA SECRETARIAT
JAIPUR

लोकसभा अध्यक्ष श्रीमती-मीरा कुमार ने बुधवार को राजस्थान विधानसभा में भारत के विधायी निकायों के पीठासीन अधिकारियों के 76 वें सम्मेलन को संबोधित किया। फोटो-राष्ट्रदूत

राष्ट्रदूत, दिनांक 22.0.9.2011

RESEARCH & REFERENCE BRANCH
RAJASTHAN VIDHAN SABHA SECRETARIAT
JAIPUR

'Uphold dignity of legislative bodies'

TIMES NEWS NETWORK

Jaipur: Lok Sabha speaker Meira Kumar on Wednesday inaugurated the 76th Conference of Presiding Officers of Legislative Bodies, hosted by the Rajasthan legislative assembly. Speaking on the occasion, she called for constantly upholding the dignity and prestige of all legislative bodies.

It was a different scene in the assembly as the presiding officers sat on the benches in the house for the conference, while the elected representatives took to visitors' boxes. Among those present for the inauguration were legislators Raghu Sharma, Pratap Singh Khachariawas and Mamta Bhupesh and Jaipur MP Mahesh Joshi.

The three-day event will include a symposium on 'Strengthening the Constitutional Scheme of Checks and Balances' on September 23, which will be inaugurated by chief minister Ashok Gehlot.

Rajasthan assembly speaker Deependra Singh welcomed the delegates, briefly sharing details of the state and its history with them.

In her inaugural speech, Kumar recollected her association with the state.

She emphasised on the need for regular and meaningful scrutiny of the functioning of parliamentary system to make it infallible.

Kumar said that effective functioning of Parliament is an important prerequisite for achieving goals of democratic governance.

"In the more than six decades of its functioning, our parliamentary system has established sound precedents and traditions and has reinforced our democracy as a whole. But, still aberrations do creep into the system," Kumar said.

Adjournment and disturbances interrupt the legislative proceedings. Hence, regular and meaningful scrutiny of its functioning is essential to make it infallible, she added.

Pointing that coalition governments have become a feature of Indian politics, she said such governments are facing several challenges and compulsions. In view of the inherent intricacies of mounting socio-political concerns and the process of evolving consensus we have been facing in present circumstances, this system appears to be a likely solution, she said.

"We have a more than a decade's experience of coalition government. Nevertheless, the coalition governments have their own compulsions and challenges..," she said.

Underlining the importance of well-drafted legislation, the speaker said it is not easy to enact a law since it passes through a well-defined process. Highlighting the importance of the conference, Kumar said the conference of presiding officers has evolved into a lively and powerful forum for debate and discussions.

Molina Khimani

Lok Sabha speaker Meira Kumar shares a light moment with participants of the 76th conference of presiding officers of legislative bodies in India at the Rajasthan Assembly on Wednesday

Times of India, Dated 22.09.2011

RESEARCH & REFERENCE BRANCH
RAJASTHAN VIDHAN SABHA SECRETARIAT
JAIPUR

Parliament functioning needs regular scrutiny: Speaker

"Enactment of law is not easy as one thinks," says Meira Kumar while inaugurating the conference of presiding officers

Sunny Sebastian

JAIPUR: Lok Sabha Speaker Meira Kumar has stressed on "regular and meaningful scrutiny" of the functioning of Parliament for keeping the system healthy. During more than six decades of its functioning, the country's parliamentary system has established sound precedents and traditions and has reinforced democracy as a whole but aberrations still creep into the system, she said.

"The efficient and effective functioning of our Parliament is an important prerequisite for achieving the goals of democratic governance," Ms. Kumar said inaugurating the 76th conference of presiding officers of legislative bodies in India at the Rajasthan Assembly here on Wednesday. "The future of a nation is shaped by its legislative bodies. I strongly believe that we shall constantly uphold the dignity and prestige of all legislative bodies and thereby maintain the high traditions of Parliamentary democracy," she said.

Rajasthan is hosting the conference for the third time since its inception 1921. Over the years, the conference of presiding officers has evolved into a lively and powerful forum for debate and discussion, Ms. Kumar noted. "The aim of the conference is to focus on the problems we face while functioning with our system and to help to make it more responsive and resilient," she said pointing out that apart from matters pertaining parliamentary practices the forum also discussed issues of vital significance to the country's democratic system.

Prior to the inaugural session, Ms. Kumar inaugurated an exhibition mounted by the Lok Sabha Secretariat on the history of Indian Parliament at the Rajasthan Assembly premises.

Lok Sabha Speaker Meira Kumar addressing the 76th conference of presiding officers of legislative bodies in Jaipur on Wednesday.
PHOTO: ROHIT JAIN PARAS

Speaking about the topics to be taken up in the next two days, the Speaker said the issues such as "Determination of maximum period for assent to bills passed by the legislature; Role of legislatures in scrutinizing and making laws of good governance; and Era of coalition government- its compulsions an challenges" had a crucial bearing on the democratic system.

Referring to the topic, "Role of the legislature in scrutinising and making laws...," Ms. Kumar said the task of reviewing, examining and discussing the proposed legislation and giving it final shape was immensely important. "Enactment of law is not easy as one thinks," she pointed out. As for the issue of coalition Governments, she said the growing complexity in the process of representation had a close link to the emergence of the age of coalition in the country. "Very few democracies are today untouched by the phenomenon of coalition and India is no exception. The Indian experience shows that coalitions have not been alien to our soil," she said.

Presenting an overview of the developments in Parliament since the presiding officers met last in Srinagar in June 2010, Ms. Kumar had this to say on the Lokpal Bill, 2011, introduced in the Lok Sabha on August 4. "The House held a marathon debate on 27th August to discuss various issues relating to setting up of a strong and effective Lokpal. The day being Saturday, an extra sitting of the House was called for the purpose. About 126 members expressed their views on the issue before the debate ended with the reply of Finance Minister Pranab Mukherjee".

Ms. Kumar noted that it was for the first time that the proceedings of the day were sent to any Standing Committee-in this case the Standing Committee on Personnel, Public Grievances, Law and Justice. This was done after "taking the senses of the House," she said.

Ms. Kumar, who extolled the culture and heritage of Rajasthan and the bravery of its people, touched a personal note when she mentioned her schooling in Jaipur and her college education in the Banasthali Vidhyapeeth.

In his welcome address, Rajasthan Assembly Speaker said the State Assembly, drawing inspiration from Indian Parliament and other democratic countries of the world, has made every effort to maintain and enhance the parliamentary conventions. The Assembly has maintained special dignity of conduct and established high standards in debate, he noted. Talking about innovations during his time as Speaker, Mr. Shekhawat said the Rajasthan Assembly pioneered the process of putting the whole process of asking questions by the members and the Government departments answering them online.

The Hindu, Dated 22.09.2011